KHAN GLOBAL STUDIES

The Most Trusted Learning Platform

UPPSC – 2023

LIVE CLASSES

BY–AMARENDRA SRIVASTAV SIR

Kanishka (कनिष्क)

- Title (उपाधि):- सीजर
- He was follower of Buddhism. — महायान (Mahayana)
  (यह बौद्ध धर्म का अनुयायी था)
- He started Shaka Era in 78 A.D.
  (इसने 78 ई० में शक संवत चलाया)
  - National Calendra.
    (राष्ट्रीय पंचांग)

21 March / 22 March ← 1st day/New Year ←

* Capital
  - Purushpur (Peshavar) → Pakistan.
    (पुरुषपुर - पेशावर)
  - Mathura (मथुरा) – U.P.

* पहले कनिष्क को चीनी जनरल पान-चाओ ने हराया था। लेकिन बाद में कनिष्क ने पान-चाओ को हराया।

* कनिष्क ने जम्मू एवं कश्मीर में कनिष्कपुर शहर स्थापित किया था। → Rajatarangini → Book of Kalhan.

* कनिष्क ने पेशावर में एक स्तूप तथा विहार की स्थापना किया था।

(Kanishka established a stupa and Vihara in Peshavar)

* Rule of Kanishka :- — Mathura (मथुरा) - Capital
(कनिष्क का शासन) — Peshavar (पेशावर — "
— Gandhar (गंधार) → ह्वेनसांग और अन्य चीन के ग्रंथों से।

(UPSC) —

- Sindh (सिंध) — सुई विहार अभिलेख — Pakistan
  (Suivihar Inscription)
- Kashmir (कश्मीर) — राजतरंगिणी
  (Rajatarangini)
- Punjab, Pakistan (पंजाब, पाकिस्तान) — मानिक्यपाल अभिलेख (Manikyal Inscription)
  ↳ Pakistan.

* 4th Buddhist council was held by Kanishka in Kundalvan, Kashmir.
(चतुर्थ बौद्ध सम्मेलन कुण्डल वन कश्मीर में हुआ)

Court scholar of Kanishka (कनिष्क के दरबारी विद्वान)

→ Ashvaghosha (अश्वघोष)
→ Vasumitra (वासुमित्र)
→ Charak (चरक) - चिकित्सक - चरक संहिता
→ Parshva (पार्श्व)

→ Nagarjun (नागार्जुन) :- इन्हें भारत का आईस्टीन कहते हैं।

- सापेक्षिकता का सिद्धांत
- शून्यवाद का सिद्धांत

* कनिष्क ने रेशम मार्ग पर नियंत्रण किया था।
(Kanishka control :- silk Route)

Europe
Mediterranean Sea
Egypt
Persia
Arabia
India
Somalia
Indian Ocean
Silk

कनिष्क के समय की कला

Gandhar Art (गांधार कला)

- Religion (धर्म) :- Buddhism (बौद्ध धर्म)
- stone (पत्थर) :- Black & Dark Blue (काला और गहरा नीला)

Mathura Art (मथुरा कला)

- Religion :-
  - Buddhism
  - Jainism
  - Hinduism.
- Stone :- Red colour

- Idol (मूर्ति) :- Realistic (यथार्थवादी)
- Imp. fact :- Greek - Buddhist style (ग्रीक - बौद्ध शैली)
  - बुद्ध की मूर्ति का चेहरा ग्रीक देवता अपोलो से मिलता है
  - गांधार कला की उत्पत्ति :- हेलेनिस्टिक कला और एशिया माइनर से

- Idol (मूर्ति) → Idealistic (आदर्शवादी)
- Imp. fact :-
  - बुद्ध की मूर्ति उनके जीवन से संबंधित बनी
  - जैसे :- जन्म
    - राज्याभिषेक
    - महाभिनिष्क्रमण
    - आदि।

प्रतिमा / मूर्ति :- बुद्ध की ध्यानचक्रमुद्रा, वर मुद्रा, अभयमुद्रा, आदि।

- बोधिसत्वों में सर्वाधिक मूर्ति मैत्रेय का मिलता है।

Gandhar Art.

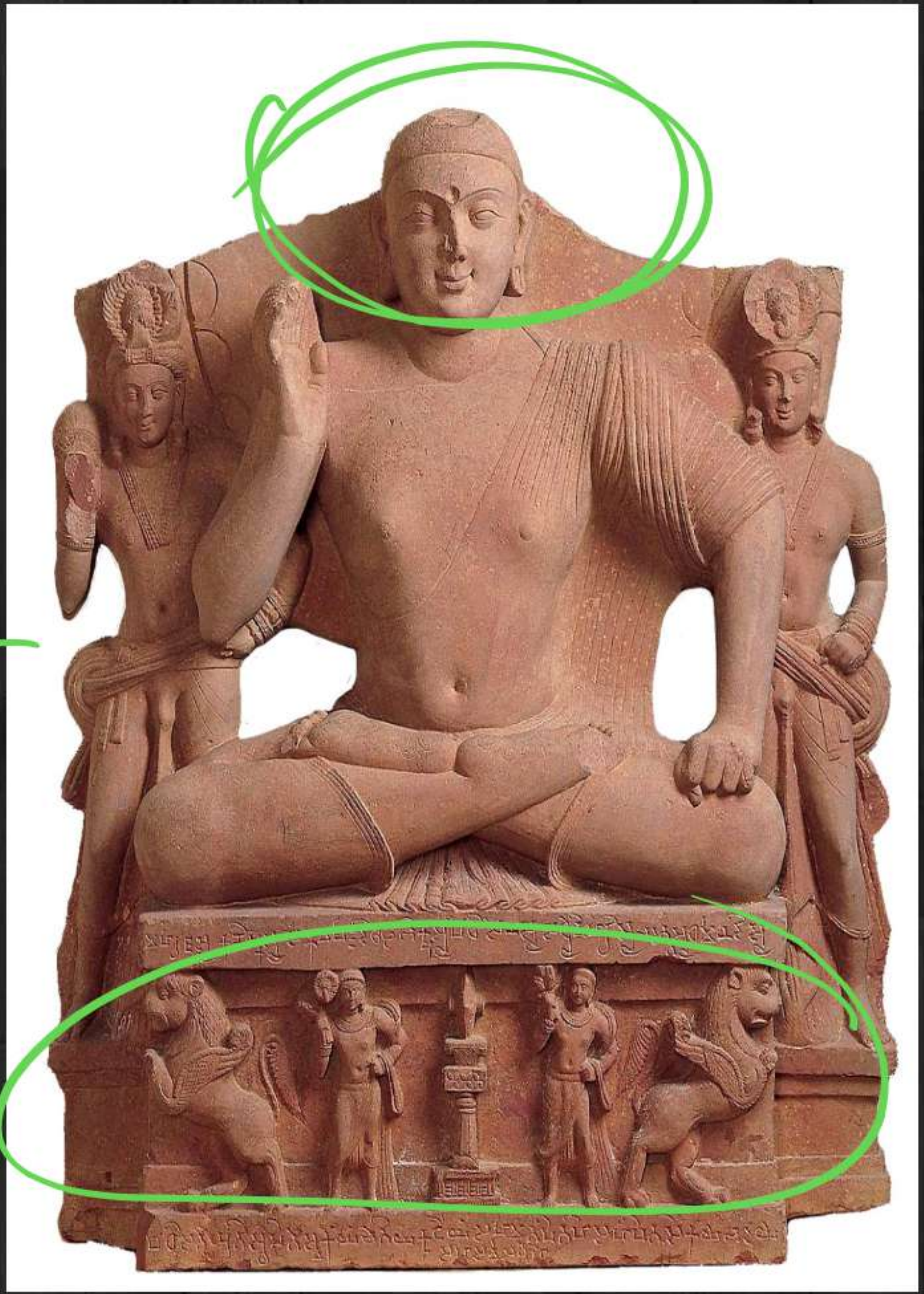

Mathura Art.

हुविष्क (Huvishka)

- Capital (राजधानी) :- Mathura (मथुरा)
- सिक्को पर चित्र (Image on coins) :-
  - Lord Shiva
  - Skanda
  - Lord Vishnu
  - etc.
- He was follower of Buddhism.

Vasudeva (वासुदेव)

1. Last ruler of Kushan Dynasty.
(कुषाण वंश का अंतिम शासक)
2. हिंदू धर्म का अनुयायी
   - शैव धर्म
   - वैष्णव धर्म

Imp. Fact of Post Maurya Period:-

* Post Maurya Period:- Golden Age of Trade & commerce.
  (व्यापार वाणिज्य का स्वर्णकाल)

* भारत से रोम को निर्यात :-
  - काली मिर्च / मसाले (Spices) (गोल)
  - मोती (Pearls)
  - हाथी-दाँत
  - सूती वस्त्र (cotton cloth)
  - etc.

Detail: "पेरिप्लस ऑफ द एरिथ्रियन सी"
- लेखक :- यूनान का अज्ञात नाविक

* रोम से आयातित वस्तुएँ :- Gold (सोना)
  - silver (चाँदी)
  - wine (शराब)
  - रोमन क्वीन /वस्तुएँ - एम्फोरा।
  - आदि।

* Port (बंदरगाह) :- Arikamedu (अरिकामेडु)
  - पांडिचेरी
  - यहाँ से रोमन बस्तियों के साक्ष्य
  - " " " वस्तुएं भी प्राप्त

पल्मफोरा

मिट्टी

* Other Name of Arikamedu :- Pedak (पेडाक)

According to Periplus of Erithrean sea

Gold

* Note :- प्लिनी ने भारत को निर्यात होने वाले सोने पर दुःख व्यक्त करता है।

* भारत और रोम के बीच व्यापार- भारत के पक्ष में था।

* Other Port: → Bharauch (भड़ौच) / Berigaja (बेरीगाजा)
  ↳ Gujarat
  ↳ Nagapattanam (नागापट्टनम)
  ↳ Muzaris (मुजरिस) → Kerala.
  ↳ Kaveripattanam.

* उद्योग (Industry) or (व्यवसाय) :-

स्रोत

- 18 प्रकार - जातक (Jataka)
- 75 " - मिलिंदपन्हो (Milindapanho)
- 36 " - महावस्तु (Mahavastu)
- 24 " - दीर्घनिकाय (Dirghanikaya)

* मौर्य काल में श्रेणी राज्य के आधीन थे लेकिन मौर्योत्तर काल में वह स्वतंत्र थे।

निगम का प्रधान (Head) * श्रेष्ठि को उत्तर भारत में सेठ तथा दक्षिण भारत में श्रेष्ठी या चेट्टियार

*

Note :- (वैदिक काल में आभूषण)

→ Coins :- (सिक्का)

Gold coins :- (सोने का सिक्का) निष्क, स्वर्ण, पल (Nishka, Swarna, Pala)

→ Silver " (चाँदी ") :- शतमान (Shataman)

→ Copper " :- कृष्णल (Kakari)

UPSC

* कुषाण राजाओं ने देवपुत्र जैसी उपाधि लिया जोकि चीन के शासकों के अनुरूप।
* कुषाण राजाओं ने मृतक शासकों की मूर्तियाँ स्थापित करने की शुरुआत किया।

मंदिर के रूप में → पूजा हेतु

रोमन शासकों की तरह

* कुषाणों ने भारत में द्वैधशासन की प्रणाली चलायी।

* कुषाणों ने पहलीबार दण्डनायक और महादण्डनायक जैसे पदाधिकारी नियुक्त किया।

* मौर्योत्तर काल में राजत्व का दैवीय सिद्धांत लागू किया गया।

* मौर्योत्तर कालीन समाज :-

→ Male based society (पुरुष-प्रधान समाज) - पितृसत्तात्मक

→ female condition :- वैदिक काल की तुलना में ह्रास
(महिलाओं की स्थिति) लेकिन सातवाहन राजाओं ने महिलाओं को सम्मान दिया।

→ Sati system :- No.
(सती-प्रथा)

→ Slavery " :- Yes
(दास प्रथा)

→ Child Marriage :- Yes
(बाल विवाह)

→ Varna system :- Yes - शुंग एवं सातवाहन शासकों ने पुनः स्थापित करने का प्रयास किया।
(वर्ण व्यवस्था)

→ वर्ण संकर जाति :- Yes
मनुस्मृति में 60 वर्णसंकर जाति का उल्लेख

→ मनुस्मृति में कहा गया है कि यवन, पह्लव, आदि ने पवित्र धार्मिक संस्कार और ब्राह्मणों की अवहेलना के कारण इन्हें शूद्र कहा गया।